विद्यार्थियों की अपनी आवाज़

(Student's Podcast)

श्री विपिन त्रिपाठी (सहायक अध्यापक)
कम्पोजिट विद्यालय चकशाहफ़िरोज़, विकास खण्ड – हथगाम,
जनपद – फतेहपुर, उत्तर प्रदेश

उद्देश्य / पूर्व स्थिति–

प्रायःपरिषदीय विद्यालय के बच्चों को जब भी मंच पर बुलाया जाता है, तो वे संकोच और झिझक के कारण अपनी बात सबके सामने नहीं रख पाते हैं; आत्मविश्वास की इस कमी का सीधा असर उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर भी पड़ रहा है, जिसके कारण वे विभिन्न प्रतियोगिताओं में न तो सक्रिय रूप से भाग ले पाते है और न ही कोई अच्छा स्थान प्राप्त कर पाते हैं। इसके साथ ही, विद्यार्थियों को समसामयिक और देश-दुनिया की घटनाओं की जानकारी नहीं होती है, जिससे समाज और आसपास होने वाली घटनाओं से वे पूरी तरह अनभिज्ञ रहते हैं और कक्षा में कुछ भी पूछे जाने पर अक्सर निरुत्तर रहते हैं। समय-सारणी में पुस्तकालय का समय होने पर भी, लगातार एक ही ढंग से किताबें पढ़ते रहने के कारण बच्चों में अरुचि पैदा हो गई थी और विद्यालय में आईसीटी लैब उपलब्ध होने के बाद भी उनके सामने हमेशा यह उलझन रहती थी कि 'सर, हम इंटरनेट पर क्या ढूंढें, क्या पढ़ें और क्या देखें?', यानी वे उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों का सही उपयोग करने में असमर्थ थे। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए शिक्षक ने विद्यार्थियों के संवाद और अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि हेतु आधारित नवाचार प्रारंभ किया, जिसका नाम **'STUDENT'S PODCAST'** रखा गया। इस नवाचार के पीछे उद्देश्य यह है कि बच्चे अपनी झिझक और संकोच को दूर करके अपने आत्मविश्वास विकसित कर सकेंगे, पुस्तकालय और आईसीटी लैब का बेहतर उपयोग कर समसामयिक घटनाओं और समाज में हो रही गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

क्रियान्वयन –

इस नवाचार के अंतर्गत शिक्षक ने सबसे पहले पाठ्यक्रम एवं सामाजिक विषयों से जुड़े प्रकरणों का चुनाव किया। प्रकरण महिला सशक्तिकरण, साइबर सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महापुरुषों की जीवनी, स्वास्थ्य जागरूकता विषयों से सम्बन्धित थे। प्रकरण बच्चों की आयु, समझ और सीखने के स्तर के अनुकूल थे। इसके बाद बच्चों को सरल भाषा में पॉडकास्ट की जानकारी दी गई और बताया गया कि यह केवल रिकॉर्डिंग नहीं, बल्कि सीखने, विचार व्यक्त करने और प्रभावी संवाद का एक सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों को चयनित विषय तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई तथा उन्हें पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथ पुस्तकालय, समाचार पत्रों, शिक्षकों के मार्गदर्शन और इंटरनेट से भी जानकारी एकत्र करने के लिए प्रेरित किया गया। जब विद्यार्थी विषय के प्रति महत्व को समझ लेते हैं, तब शिक्षक उनके लिए समूह चर्चा एवं अभ्यास सत्र आयोजित करते हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को स्पष्ट उच्चारण, सही भाषा प्रयोग, आत्मविश्वास के साथ बोलने तथा प्रभावी संवाद कौशल विकसित करने का अवसर मिलता है। शिक्षक उन्हें यह

भी सिखाते हैं कि किसी विषय को सरल, रोचक और प्रभावशाली ढंग से कैसे प्रस्तुत किया जाए। प्रारंभ में पॉडकास्ट की रिकॉर्डिंग मोबाइल फोन से की गई। बाद में बेहतर गुणवत्ता के लिए माइक्रोफोन, हेडफोन, वायरलेस कॉलर माइक तथा ट्राइपॉड जैसे उपकरणों का उपयोग किया गया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति, संवाद और गतिविधियों को वीडियो पॉडकास्ट के रूप में रिकॉर्ड किया गया। इस दौरान बच्चों को अनुशासन, टीमवर्क तथा तकनीकी उपकरणों के सही उपयोग का भी प्रशिक्षण दिया गया। रिकॉर्डिंग के बाद वीडियो सामग्री को कंप्यूटर, स्मार्टफोन एवं विभागीय टैबलेट में सुरक्षित रखा जाता है। शिक्षक द्वारा Canva और VN Video Editor जैसे ऐप्स की सहायता से वीडियो का संपादन किया जाता है, जिससे अनावश्यक भाग हटाकर सामग्री को अधिक स्पष्ट, आकर्षक और प्रभावी बनाया जा सके। तैयार वीडियो पॉडकास्ट को विद्यालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तथा यूट्यूब चैनल "Study My Way Vipin" पर साझा किया जाता है, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक इसका लाभ प्राप्त कर सकें।

(पॉडकास्ट करती छात्राएँ)

प्रभाव –

पॉडकास्ट गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संचार कौशल और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। जो विद्यार्थी पहले मंच पर बोलने या अपने विचार व्यक्त करने में झिझकते थे, वे अब आत्मविश्वास के साथ अपनी बात प्रस्तुत करने लगे हैं। चर्चा, प्रश्नोत्तर और प्रस्तुतीकरण आधारित गतिविधियों ने उनमें नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच और सहयोगात्मक व्यवहार

का विकास किया। पॉडकास्ट की तैयारी के दौरान विद्यार्थियों ने पुस्तकालय, इंटरनेट और अन्य शैक्षिक स्रोतों से जानकारी एकत्र करना सीखा। इससे उनकी पढ़ने, सुनने, बोलने और समझने की क्षमता मजबूत हुई। नियमित अभ्यास से उच्चारण, शब्द-भंडार तथा भाषा प्रयोग में सुधार आया और विषयों को सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का कौशल विकसित हुआ। महिला सशक्तिकरण, साइबर सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता और अन्य सामाजिक विषयों पर कार्य करने से विद्यार्थियों की समझ व्यापक हुई। उनमें जिज्ञासा, तार्किक चिंतन और स्वतंत्र रूप से विचार व्यक्त करने की क्षमता विकसित हुई। इस नवाचार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि विद्यार्थी केवल श्रोता न रहकर सीखने की प्रक्रिया के सक्रिय सहभागी बन गए। अब वे विषय चयन, प्रश्न निर्माण, रिकॉर्डिंग और पॉडकास्ट संचालन जैसे कार्य स्वयं सफलतापूर्वक करने लगे हैं।

इस नवाचार के सकारात्मक परिणाम विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतियोगिताओं और उपलब्धियों में भी देखने को मिले। विगत वर्षों में विद्यालय के विद्यार्थियों ने ब्लॉक, जनपद एवं राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हैं। आँकड़ों से

स्पष्ट होता है कि विद्यालय में नामांकन संख्या वर्ष 2017-18 के 208 छात्रों से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 311 विद्यार्थियों तक पहुँच गई। इसके बाद भी नामांकन 300 से अधिक बना रहा, जो विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नवाचारी गतिविधियों तथा अभिभावकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। यह निरंतर वृद्धि विद्यालय के प्रभावी प्रयासों और विद्यार्थियों के समग्र विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

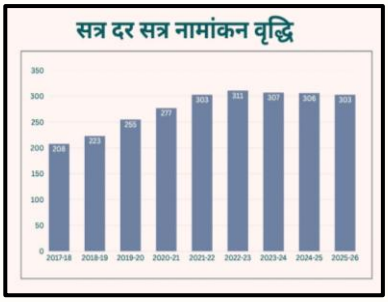

प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों की उपलब्धि

सत्र / वर्ष	उपलब्धि	परिणाम	विद्यार्थी का नाम
2024-25	NMMS छात्रवृत्ति परीक्षा	उत्तीर्ण	मनीष कुमार, निकिता देवी
2024-25	विद्याज्ञान प्रारंभिक परीक्षा	उत्तीर्ण	वर्ष देवी, यशी देवी
2024-25	स्पेल बी प्रतियोगिता (प्राथमिक वर्ग)	प्रथम स्थान (ब्लॉक स्तर)	श्रद्धा
2024-25	निपुण छात्रा सम्मान	ब्लॉक स्तर एवं जनपद स्तर	श्रद्धा
2025-26	सड़क सुरक्षा सप्ताह प्रतियोगिता (वाद विवाद)	तृतीय स्थान (जनपद स्तर)	उपासना देवी
2023-24	INSPIRE Award	₹10,000 प्रोत्साहन राशि	काजल देवी
2022-23 2023-24 2024-25	राष्ट्रीय आविष्कार अभियान	ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान	निकिता देवी, पारुल देवी, काजल देवी

शिक्षक के नवाचार **Podcast** को बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के समस्त सोशल मीडिया के आधिकारिक हैंडल में शेयर भी किया गया है, जिससे नवाचार को राज्य स्तर में एक पहचान मिली है। पॉडकास्ट में भाग लेने के लिए शिक्षक के द्वारा बनाये गये मापदंडों जैसे नियमित उपस्थिति, नियमित गणवेश में आना और साफ़ सुथरे होकर विद्यालय आना है। मापदंडों के कारण शासन की डीoबीoटीo योजना का लाभ उठाकर अभिभावक बच्चों को नियमित गणवेश में भेज रहे हैं। वर्ष 2026 में मुख्यमंत्री जी के जनपद दौरे में बेसिक शिक्षा विभाग के लगाये गये स्टाल में विद्यालय के बच्चों को चयन मुख्यमंत्री जी से संवाद करने के लिए हुआ। बच्चों के आत्मविश्वास से परिपूर्ण संवाद को देखकर मुख्यमंत्री जी ने मुक्त कंठ से बच्चों की प्रशंसा की।